

क्रांति ज्योति स्मारक का राज्यपाल ने लोकार्पण किया

सावित्री बाई फुले की प्रतिमा का भी किया अनावरण

सावित्री बाई फुले के जीवन से प्रेरणा ले

बालिका शिक्षा को बढ़ावा दें— राज्यपाल

जयपुर, 15 अगस्त। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को जयपुर स्वेज फार्म, रामनगर में सावित्री बाई फुले सर्किल के नव निर्माण और क्रांति ज्योति स्मारक का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने सावित्रीबाई फुले की भव्य प्रतिमा का अनावरण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा नमन किया।

राज्यपाल श्री बागडे ने महिला शिक्षा की देश में क्रांति ज्योति लाने वाली सावित्री बाई फुले के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले ने महिला शिक्षा के लिए देश में पहला स्कूल स्थापित किया। यह कदम उस समय क्रांतिकारी पहल थी क्योंकि तब लड़कियों के लिए समाज में शिक्षा वर्जित थी। उन्होंने कहा कि लड़कियों को शिक्षित करने के साथ ही उन्होंने आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महती प्रयास किए।

श्री बागडे ने कहा कि सावित्री बाई फुले ने जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी सक्रिय रूप से अभियान चलाया। उन्होंने दलितों के अधिकारों की वकालत की और उनके उत्थान की दिशा में काम किया। उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी और विधवा पुनर्विवाह की वकालत की, जो उस समय प्रचलित प्रथा थी।

राज्यपाल ने सावित्री बाई फुले से प्रेरणा लेकर यह सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया कि देश की कोई भी बेटी शिक्षा और अवसर से वंचित न रहे। उन्होंने सावित्री बाई फुले की प्रतिमा और सर्किल के लिए किए कार्यों के लिए विधायक श्री गोपाल शर्मा की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि सिविल लाइंस के विधायक श्री गोपाल शर्मा ने अपने स्वयं के निजी व्यय से क्रांति ज्योति स्मारक और वहां सावित्री बाई फुले की भव्य प्रतिमा स्थापित करने के साथ विधायक कोष से सर्किल का नवीनीकरण करवाया है।





